(ख) बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा 1990-91, 1991-92 और 1992-93(वित्तीय वर्ष आधार पर) के दौरान केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी० आई० एस० एफ०) की तैनाती पर निम्नलिखित खर्च किया गया :—

वर्ष	सी० आई० एस० एफ० पर हुआ व्यय (लाख रु०)
1990-91 . .	775.27
1991-92 . .	720.00
1992-93 . .	894.41

(ग) चुराई गई सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि का रुख प्रदर्शित नहीं होता । सुरक्षा बलों पर व्यय में वृद्धि मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से हुई है :—

(i) भत्तों में वृद्धि

(ii) वार्षिक वेतन वृद्धि

(iii) वार्षिक बोनस,

(iv) हथियारों और गोला बारूद पर व्यय

(v) अन्तरिम राहत ।

इस्पात की उत्पादन लागत

4156. **श्री ई० बालानन्दन** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1994 की स्थिति के अनुसार भारत में और इस्पात के अन्य मुख्य उत्पादक देशों, जैसे अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, जापान और जर्मनी में विक्रेय इस्पात उत्पादित करने वाले विभिन्न कारकों का प्रतिशत कितना है;

(ख) क्या स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड के विभिन्न एककों में ऊर्जा खपत, कोयला-दर और इस्पात की समग्र उत्पादन लागत में मुख्य इस्पात उत्पादक देशों की अपेक्षा अधिक भिन्नता है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गये हैं;

(घ) क्या भारतीय इस्पात अन्तर्राष्ट्रीय इस्पात बाजार में बिना किसी संरक्षण के प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और देश में विभिन्न इस्पात वस्तुओं का उत्पादन करने में क्षमता और असमर्थता का ब्यौरा क्या है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) से (ग) इस्पात की उत्पादन लागत विभिन्न सहायक घटकों जैसे उत्पादन की मात्रा, उत्पाद-मिश्र, निधियन लागत, अपनाई गई प्रौद्योगिकी और सरकारी लेवियों पर निर्भर करती है । ये सभी घटक भिन्न-भिन्न देश में भिन्न-भिन्न और एक ही देश में भी भिन्न-भिन्न निर्माताओं में काफी भिन्न-भिन्न होते हैं । अतः विभिन्न इस्पात उत्पादक देशों की उत्पादन लागत की ठीक-ठीक तुलना करना सम्भव नहीं है ।

(घ) और (ङ) भारतीय निर्माताओं द्वारा इस्पात का निर्यात अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर किया जा रहा है । भारत से इस्पात के निर्यात में हाल के वर्षों में पर्याप्त वृद्धि हुई है । वर्ष 1993-94 में 16.1 लाख टन (अनन्तिम) इस्पात का निर्यात किया गया जबकि 1991-92 में 3.87 लाख टन इस्पात का निर्यात किया गया था । निर्यात में मुख्य रूप से प्लेटें, तार छड़ें, संरचनात्मक, सेमीज आदि जैसी मदें शामिल हैं ।

संसद् सदस्यों का इस्पात मंत्रालय से पत्राचार

4157. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मोम अफजल** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 अप्रैल 1990 से 31 मार्च, 1993 की अवधि के दौरान सांसदों द्वारा मंत्रालय को कितने पत्र लिखे गये और उनका वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उनमें से कितने पत्रों की पावती भेजी गई;

(ग) कितने पत्रों के अन्तिम उत्तर भेजे गये; और

(घ) मंत्रालय द्वारा क्रमशः सकारात्मक और नकारात्मक उत्तर वाले भेजे गये अन्तिम पत्रों के पृथक्-पृथक् आंकड़े क्या हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।

Dumping of Steel Materials

4158. SHRI IQBAL SINGH : Will the Minister of STEEL be pleased to state what steps Government intends to take to ensure that there is no dumping of steel materials in the Indian Markets ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : Imports of steel have not shown any increasing trend so far. Steel imports during 1993-94 are estimated to have declined by about 8% as compared to the previous year 1992-93.